1 to 9

University of Rajasthan
Jaipur

SYLLABUS OF M. PHIL (Semester)

M.Phil ....Hindi....

Exam. 2016

Checked by
28/8/2015

Asstt. Registrar (Acad-I)
University of Rajasthan

एम.फिल / पीएच.डी. (हिन्दी) कोर्स वर्क

एवं

एम.फिल (हिन्दी) प्रथम सत्र (I Semester)

प्रथम प्रश्न पत्र	:	शोध प्रविधि
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	साहित्य की सैद्धांतिकी : भारतीय तथा पाश्चात्य
तृतीय प्रश्न पत्र	:	हिन्दी का मध्यकालीन भक्ति साहित्य
चतुर्थ प्रश्न पत्र	:	परियोजना कार्य (Project Work)

एम.फिल (हिन्दी) द्वितीय सत्र (II Semester)

प्रथम प्रश्न पत्र	:	हिन्दी भाषा चिन्तन
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	हिन्दी साहित्येतिहास लेखन : परम्परा और दृष्टि
तृतीय प्रश्न पत्र	:	लोक साहित्य
चतुर्थ प्रश्न पत्र	:	लघु शोध प्रबंध (Dissertation)

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

एम.फिल/पीएच.डी. (हिन्दी) कोर्स वर्क एवं एम.फिल (हिन्दी) प्रथम सत्र का पाठ्यक्रम

विश्वविद्यालय की एम.फिल की परीक्षा दो चरणों में होगी, जिसमें प्रथम सत्र कोर्स वर्क के रूप में होगा। कोर्स वर्क पाठ्यक्रम पीएच.डी. तथा एम.फिल. के विद्यार्थियों के लिए समान होगा। कोर्स वर्क पाठ्यक्रम और एम.फिल द्वितीय सत्र की अवधि छः–छः माह की होगी।

प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार प्रश्न–पत्र होंगे, प्रत्येक प्रश्न–पत्र 100 अंक का होगा, जिसमें 80 अंक की लिखित परीक्षा होगी, 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के होंगे। किन्तु चतुर्थ प्रश्न–पत्र परियोजना कार्य पूरे 100 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न–पत्र में उत्तीर्णांक 40% (बाह्य तथा आंतरिक परीक्षा में पृथक–पृथक 40% अंक) होंगे तथा पीएच.डी. अथवा एम.फिल. के नामांकन की पात्रता हेतु कुल प्राप्तांक 50% होने आवश्यक हैं। प्रत्येक छात्र की 75% उपस्थिति अनिवार्य होगी।

एम.फिल/पीएच.डी. कोर्स वर्क का पाठ्यक्रम
(एम.फिल. प्रथम सत्र (I Semester))

प्रश्न–पत्र निम्नानुसार होंगे :–

1. शोध प्रविधि
2. साहित्य की सैद्धांतिकी : भारतीय तथा पाश्चात्य
3. हिन्दी का मध्यकालीन भक्ति साहित्य
4. परियोजना कार्य

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.-I)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.फिल. (हिन्दी) प्रथम सत्र

प्रथम प्रश्न पत्र : शोध प्रविधि

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 80

पाठ्यांश :

इकाई प्रथम

1. शोध का कार्य, उद्देश्य एवं सिद्धांत
2. शोध विषय का चयन एवं विषय चयन की मूलभूत संकल्पनाएँ। शोध प्रारूप का निर्माण।
3. शोध सामग्री संकलन की प्रविधि : सामग्री का संकलन – उसके स्रोत, साक्षात्कार एवं पद्धति, प्रश्नावली निर्माण एवं प्रक्रिया, संचित सामग्री की प्रामाणिकता की जाँच।
4. शोध प्रबंध लेखन

इकाई द्वितीय

1. पाठालोचन – परिभाषा, पाठ सम्पादन और अर्थ समस्या, पाठ सम्पादन आवश्यकता एवं उद्देश्य, पाठानुसंधान–भाषा एवं लिपि, पाठालोचन तथा साहित्यालोचन, हस्तलेख पाठ और समस्याएँ, पाठ विकृतियाँ। सचेष्ट–निश्चेष्ट विकृतियाँ, शुद्ध पाठ चयन के सामान्य सिद्धान्त। हस्तलिखित ग्रंथों का उपयोग।

इकाई तृतीय

1. शोध की वस्तुनिष्ठता
2. शोध की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और संदर्भ
3. शोध और इतिहास दृष्टि
4. अतीत का सृजनात्मक उपयोग
5. साहित्यिक शोध के लिए इतिहास और समाजशास्त्र के अध्ययन की उपयोगिता।

इकाई चतुर्थ

1. शोध प्रविधि में नव्य संचार
2. शोध और आलोचना
3. लोक साहित्य, भाषा विज्ञान, साहित्येतिहास, नाटक तथा काव्यशास्त्र में शोध की संभावना तथा प्रविधि।
4. हिन्दी के महत्त्वपूर्ण शोध प्रबंध

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आवश्यक रूप से पूछा जाएगा (16 x 4 = 64 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणीपरक होगा। पूरे पाठ्यक्रम से टिप्पणियाँ पूछी जाएगी। (8 x 2 = 16 अंक)
सभी प्रश्नों के आंतरिक विकल्प देय

अनुशंसित ग्रंथ :

1. अनुसंधान : प्रविधि और क्षेत्र – राजमल बोहरा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. शोध और सिद्धान्त – नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. पाठ सम्पादन के सिद्धान्त – डॉ.कन्हैया सिंह, लोकभारती प्रकाशन
4. शोध प्रविधि – विनय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली
5. शोध : स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि – बैजनाथ सिंघल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. संरचनात्मक शैली विज्ञान – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिन्दी पाठानुसंधान – कन्हैया सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. हिन्दी शोध तंत्र की रूपरेखा – डॉ.मनमोहन सहगल, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
9. रिसर्च मैथाडॉलोजी – डॉ.वीरेन्द्र प्रकाश शर्मा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
10. पाण्डुलिपि विज्ञान – डॉ.सत्येन्द्र, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।

Asstt. Registrar (Acad-I)
University of Rajasthan

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

एम.फिल. (हिन्दी) प्रथम सत्र
द्वितीय प्रश्न पत्र : साहित्य की सैद्धान्तिकी भारतीय तथा पाश्चात्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 80

पाठ्यांश :

इकाई–1

भारतीय काव्यशास्त्र और आचार्य परम्परा–भरतमुनि, भामह, दण्डी, वामन, आनन्दवर्धन, कुन्तक, मम्मट, विश्वनाथ तथा पण्डितराज जगन्नाथ का काव्यशास्त्र में योगदान

इकाई–2

साहित्य की अवधारणाएँ – शास्त्रवाद, स्वच्छन्दतावाद, आदर्शवाद, यथार्थवाद, प्रतीक और प्रतीकवाद, बिम्ब और बिम्बवाद, अस्तित्ववाद।

इकाई–3

पाश्चात्य साहित्य चिंतन
अरस्तू का काव्यशास्त्रीय दृष्टिकोण
लौंजाइनस की उदात्त की अवधारणा
टी.एस.एलियट का परम्परा और निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त
कार्लमार्क्स के साहित्य सिद्धांत
उत्तर आधुनिकतावाद
स्त्रीवादी विमर्श

इकाई–4

हिन्दी आलोचना और आलोचक
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य नदंदुलारे वाजपेयी, डॉ.नगेन्द्र, डॉ. रामविलास शर्मा तथा डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी का आलोचनात्क सिद्धांत

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आवश्यक रूप से पूछा जाएगा) (16 x 4 = 64 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा।
टिप्पणियाँ पूरे पाठ्यक्रम से पूछी जाएगी (8 x 2 = 16 अंक)
सभी प्रश्नों के आंतरिक विकल्प देय

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भारतीय नाट्य सौन्दर्य – डॉ.मनोहर काले
2. रस मीमांसा – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
3. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. विश्म्भरनाथ उपाध्याय
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास – डॉ.नगेन्द्र
5. पाश्चात्य साहित्य का चिंतन – डॉ.निर्मला जैन
6. संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र – गोपीचंद नारंग
7. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पाण्डेय
8. भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य परम्परा – डॉ.राधावल्लभ त्रिपाठी

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.-I)
University of Rajasthan

एम.फिल. (हिन्दी) प्रथम सत्र

तृतीय प्रश्न पत्र : हिन्दी का मध्यकालीन भक्ति साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 80

पाठ्यांश :

भक्ति आन्दोलन–सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भाक्ति आन्दोलन और लोक जागरण, भक्ति साहित्य और सामाजिक समरसता, हिन्दी भक्ति साहित्य पर दक्षिण भारत की भक्ति परम्परा का प्रभाव, हिन्दी के प्रमुख निर्गुण कवि – कबीर, रैदास, दादूदयाल, नानक, नामदेव तथा जम्भनाथ।

प्रमुख सगुण भक्त कवि – सूरदास, तुलसीदास, मीराँबाई

प्रमुख सूफी कवि – कुतबन, मंझन, मुल्ला दाउद तथा जायसी।

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न	
अंतिम प्रश्न टिप्पणीपरक होगा	(16 x 4 = 64 अंक)
सभी प्रश्नों के आंतरिक विकल्प देय	(8 x 2 = 16 अंक)

अनुशंसित ग्रथ :

1. रामचन्द्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य की भूमिका
3. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग –1)
4. डॉ. नगेन्द्र – सं हिन्दी साहित्य का इतिहास
5. परशुराम चतुर्वेदी – उत्तरी भारत की संत परम्परा
6. हरवंश लाल शर्मा – सूरदास
7. विजयदेव नारायण साही – जायसी
8. हजारी प्रसाद द्विवेदी – कबीर

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad-I)
University of Rajasthan
JAIPUR

चतुर्थ प्रश्न पत्र

परियोजना कार्य (Projet Work)

कक्षा में प्राध्यापकों द्वारा निर्देशित विषय पर परियोजना कार्य पूर्ण करना होगा।

परियोजना कार्य हर विद्यार्थी को निर्धारित समयावधि में शोध निदेशक के निर्दशन में पूर्ण करना होगा। यह परियोजना कार्य 100 अंक का होगा, जिसमें निम्नलिखित बिन्दु समाहित हो सकते हैं:–

1. साहित्य–समीक्षा की अवधारणा, गुण, तत्त्व एवं शोध कार्य में समीक्षा की उपादेयता
2. साहित्यिक पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध–पत्र, आलेख की समीक्षा (राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय)
3. पुस्तक समीक्षा/शोध–प्रबंध समीक्षा
4. साहित्य समीक्षा और इलेक्ट्रनिक मीडिया: वेबसाईट, नेट वर्किंग, वेब पेज फेस बुक आदि।
5. प्रस्तावित शोध कार्य का महत्व और सार्थकता, उक्त विषय पर पूर्व में किये गए शोधकार्य की समीक्षा उनकी उपलब्धियाँ, सीमांकन और अपेक्षित क्षेत्र।
6. प्रस्तावित शोध कार्य की प्रस्तुति/रूपरेखा–शोध प्रारूप, अध्यायीकरण, मूल एवं सहायक ग्रंथ की सूची, अनुक्रमणिका, पाद–टिप्पणी।

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad-I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.फिल. (हिन्दी) द्वितीय सत्र

(II Semester)

इस पाठ्यक्रम में कुल चार प्रश्न–पत्र होंगे, प्रत्येक प्रश्न–पत्र 100 अंक का होगा, जिसमें 80 अंक की लिखित परीक्षा होगी, 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के होंगे। किन्तु चतुर्थ प्रश्न–पत्र लघु शोध प्रबंध के रूप में पूरे 100 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न–पत्र में उत्तीर्णांक 40% (बाह्य तथा आंतरिक परीक्षा में पृथक–पृथक 40% अंक) होंगे तथा एम.फिल. के द्वितीय में उत्तीर्ण होने हेतु कुल प्राप्तांक 50% होने आवश्यक हैं। प्रत्येक छात्र की 75% उपस्थिति अनिवार्य होगी।

प्रथम प्रश्न पत्र : भाषा चिन्तन

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 80

पाठ्यांश :

1. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा का भाषा वैज्ञानिक चिंतन
2. डॉ. रामविलास शर्मा का भाषा चिंतन
3. डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा का भाषा चिंतन
4. डॉ. विद्यानिवास मिश्र का भाषा चिंतन
5. डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव का भाषा चिंतन

अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान, अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान एवं भाषा शिक्षण, समाज भाषा विज्ञान, भाषा समुदाय, द्विभाषिकता और बहुभाषिकता, पिजिन और क्रियोल, भाषा नियोजन।
हिन्दी के प्रमुख वैयाकरण – कामता प्रसाद गुरु तथा किशोरी दास वाजपेयी।

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न	(16 x 4 = 64 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा	(8 x 2 = 16 अंक)
सभी प्रश्नों के आंतरिक विकल्प देय	

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान : डॉ.भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहबाद
2. भाषा विज्ञान : डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना
3. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ.धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडेमी
5. हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास : डॉ. उदयनारायण तिवारी
6. हिन्दी की बोलियाँ एवं उपभाषाएं : डॉ.हरदेव बाहरी
7. भाषा और भाषिकी : देवीशंकर द्विवेदी
8. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र : डॉ.कपिलदेव द्विवेदी
9. राजस्थानी भाषा : डॉ.सुनीति कुमार चटर्जी, राजस्थानी विद्यापीठ, उदयपुर
10. हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक व्याकरण : डॉ.माताबदल जायसवाल
11. हिन्दी भाषा और साहित्य : डॉ.भोलानाथ तिवारी
12. भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिन्दी : डॉ.रामविलास शर्मा
13. भाषा विज्ञान : संपादक डॉ.राजमल बोरा, मयूर पेपरबैक्स

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad-I)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.फिल. (हिन्दी) द्वितीय सत्र

द्वितीय प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्येतिहास लेखन : परम्परा और दृष्टि

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 80

पाठ्यांश :

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – पूर्व इतिहास लेखन : परम्परा और दृष्टि
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का इतिहास लेखन और दृष्टि
3. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का इतिहास दृष्टि
4. डॉ. रामविलास शर्मा की इतिहास दृष्टि
5. डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी की इतिहास दृष्टि

अंक विभाजन :

कुल पांच आलोचनात्क प्रश्न(प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जायेगा) (20 x 4 = 80 अंक)
आन्तरिक विकल्प देय

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल दिल्ली
2. हिन्दी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल, राजकमल दिल्ली
3. हिन्दी आलोचक : शिखरों का साक्षात्कार – रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती, इलाहाबाद
4. आलोचक के बदलते मानदण्ड और हिन्दी साहित्य – शुभकरण सिंह, किताब महल,इलाहाबाद
5. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
6. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली
7. दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली
8. साहित्य का नया शास्त्र – गिरिजा राय, इलाहाबाद
9. हिन्दी काव्यशास्त्र पर आचार्य मम्मट का प्रभाव – राधेश्याम राय, क्लासिकल पब्लिशिंग क.,नई दिल्ली
10. समकालीन हिन्दी आलोचना और आलोचना : रामबक्ष
11. आलोचक और आलोचना : कमला प्रसाद, आधार प्रकाशन पंचकूला
12. आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
13. आलोचक का दायित्व – डॉ.रामचन्द्र तिवारी
14. आधुनिक हिन्दी आलोचना : संदर्भ एवं दृष्टि – डॉ.रामचन्द्र तिवारी
15. कृति चिंतन और मूल्यांकन – डॉ.रामचन्द्र तिवारी
16. साहित्य का मूल्यांकन – डब्लू बेसिल वर्सफोर्ड, अनु.डॉ0रामचन्द्र तिवारी
17. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और समकालीन आलोचक – रामचन्द्र तिवारी
18. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : रामचन्द्र तिवारी
19. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल आलोचना कोष : रामचन्द्र तिवारी

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad-I)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.फिल. (हिन्दी) द्वितीय सत्र

तृतीय प्रश्न पत्र : लोक साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 80

पाठ्यांश :

इकाई –1

लोक साहित्य की अवधारणा, लोक संस्कृति के उपादान, साहित्य और लोक का अन्तःसंबंध, लोक साहित्य के प्रमुख रूप लोकगीत, लोक कथा, लोकवाद्य, लोकनृत्य, लोक रांगीत। लोक नाट्य के विविध रूप – रामलीला, रासलीला, सांग, नौटंकी, यक्षगान, तमाशा आदि।

इकाई–2

लोककथा और कथानक रूढ़ियाँ, लोक भाषा के विविध रूप – मुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ, संचार माध्यम और लोक कलाएँ, लोक कला के संरक्षण की समस्या, लोक साहित्य और लोकप्रिय साहित्य की परम्परा का विकास।

इकाई–3

राजस्थानी लोक साहित्य, राजस्थानी लोक साहित्य की परम्परा, राजस्थानी लोक साहित्य के विविध रूप – लोक गीत, लोकगाथा, लोक नाट्य – सांग, नौटंकी, खयाल, पाबूजी की फड आदि लोक संगीत – हेला खयाल, मांड, लंगा, मांगणियार, भोपा आदि।

इकाई–4

राजस्थान के निकटवर्ती लोक साहित्य से तुलना – मालवी और राजस्थानी गणगौर, माच, लोकगाथा आदि।
ब्रज और राजस्थानी के संस्कार गीत, श्रमपरिहार गीत तथा लांगुरिया गीत।
राजस्थानी और हरियाणवी लोकनाट्य
गुजराती और राजस्थानी रास

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न (सभी इकाइयों से प्रश्न अपेक्षित हैं।) (16 x 4 = 64 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा (8 x 2 = 16 अंक)
सभी प्रश्नों के आंतरिक विकल्प देय। पूरे पाठ्यक्रम से टिप्पणियां पूछी जाएगी।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. लोक साहित्य विज्ञान – डॉ. सत्येन्द्र
2. लोक साहित्य के प्रतिमान – कुंदन लाल उप्रेती
3. लोक साहित्य की भूमिका – डॉ. रवीन्द्र भ्रमर
4. लोक साहित्य और संस्कृति – दीनेश्वर प्रसाद
5. लोक संस्कृति में राष्ट्रवाद – बद्रीनारायण
6. राजस्थानी शोध निबंध – डॉ. शम्भूसिंह मनोहर
7. राजस्थानी भाषा और साहित्य – डॉ. मोतीलाल मेनारिया
8. पुरानी राजस्थानी – डॉ. तेसीतरी (अनु.नामवर सिंह)

चतुर्थ प्रश्न – लघु शोध प्रबंध कुल अंक – 100

नागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर